CHAPTER-3

बूढ़ी काकी - मुंशी प्रेमचंद

काकी का कोई अपना नहीं था। उन्होंने अपनी सारी संपत्ति अपने भतीजे बुद्धिराम के नाम कर दी। बुद्धिराम ने बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन संपत्ति मिलने के बाद वह और उसकी पत्नी रूपा बदल गए।

കാക്കിക്ക് സ്വന്തമെന്ന് പറയാൻ ആരുമില്ലായിരുന്നു. അവർ തന്റെ സ്വത്തെല്ലാം അനന്തരവനായ ബുദ്ധിരാമിന്റെ പേരിൽ എഴുതിക്കൊടുത്തു. ഒരുപാട് വാഗ്ദാനങ്ങൾ ബുദ്ധിരാം നൽകിയിരുന്നെങ്കിലും സ്വത്ത് കിട്ടിയതോടെ അവനും ഭാര്യ രൂപയും മാറിപ്പോയി.

घर में उत्सव होने पर भी काकी को खाना नहीं दिया गया। उन्हें एक अँधेरी कोठरी में अकेला छोड़ दिया गया। भूख के कारण वे रोने लगीं, लेकिन किसी ने उनकी परवाह नहीं की।

വീട്ടിൽ വലിയ ആഘോഷം നടക്കുമ്പോഴും കാക്കിക്ക് ഭക്ഷണം നൽകിയിരുന്നില്ല. ഒരു ഇരുട്ടുമുറിയിൽ അവരെ തനിച്ചാക്കി. വിശപ്പുകൊണ്ട് അവർ കരഞ്ഞെങ്കിലും ആരും അത് ശ്രദ്ധിച്ചില്ല.

परिवार में केवल बुद्धिराम की छोटी बेटी लाड़ली ही काकी से प्यार करती थी। वह अपने हिस्से का खाना चुपके से काकी को देती थी।

കുടുംബത്തിൽ ബുദ്ധിരാമിന്റെ ചെറിയ മകൾ ലാഡ്‌ലി മാത്രമാണ് കാക്കിയെ സ്നേഹിച്ചിരുന്നത്. അവൾ തന്റെ ഭക്ഷണവിഹിതം രഹസ്യമായി കാക്കിക്ക് നൽകുമായിരുന്നു.

जब रूपा ने देखा कि काकी मेहमानों की झूठी पत्तलों (leaf plates) से खाना चुनकर खा रही हैं, तो उसका हृदय काँप उठा। उसे अपनी गलती का एहसास हुआ।

അതിഥികൾ കഴിച്ചു ബാക്കിവെച്ച ഇലകളിൽ നിന്ന് കാക്കി ആഹാരം പെറുക്കി കഴിക്കുന്നത് കണ്ടപ്പോൾ രൂപയുടെ ഹൃദയം നൊന്തു. താൻ ചെയ്ത തെറ്റ് അവൾക്ക് മനസ്സിലായി.

• **संपत्ति** - സ്വത്ത്	• **निष्ठुरता** - ക്രൂരത
• **भतीजा** - അനന്തരവൻ	• **भोजन** - ഭക്ഷണം
• **उपेक्षा** - അവഗണന	• **स्वाद** - രുചി
• **सहानुभूति** - സഹാനുഭൂതി	• **तकलीफ** - ബുദ്ധിമുട്ട്
• **प्रतीक्षा** - കാത്തിരിപ്പ്	• **तृप्ति** - സംതൃപ്തി
• **आश्वासन** - വാഗ്ദാനം / ഉറപ്പ്	• **अवस्था** - സാഹചര്യം / അവസ്ഥ
• **पश्चाताप** - പശ്ചാത്താപം / ഖേദം	• **संकल्प** - തീരുമാനം
• **क्षमा** - മാപ്പ്	• **मालिका** - ഉടമസ്ഥ
• **कोठरी** - ചെറിയ മുറി	• **क्रूर** - ദയയില്ലാത്ത
• **आदर** - ബഹുമാനം	• **धैर्य** - ധൈര്യം

1. **'बूढ़ी काकी' कहानी के लेखक कौन हैं?** (ബൂഢീ കാക്കി എന്ന കഥയുടെ രചയിതാവ് ആര്?)

उत्तर: मुंशी प्रेमचंद (മുൻഷി പ്രേംചന്ദ്)

2. **बूढ़ी काकी ने अपनी सारी संपत्ति किसके नाम लिख दी थी?** (കാക്കി തന്റെ സ്വത്തെല്ലാം ആരുടെ പേരിലാണ് എഴുതിവെച്ചത്?)
उत्तर: अपने भतीजे बुद्धिराम के नाम (അനന്തരവനായ ബുദ്ധിരാമിന്റെ പേരിൽ)

3. **बुढ़ापा बहुधा किसका पुनरागमन होता है?** (വാർദ്ധക്യം മിക്കവാറും എന്തിന്റെ തിരിച്ചുവരവാണ്?)
उत्तर: बचपन का (കുട്ടിക്കാലത്തിന്റെ)

4. **बुद्धिराम की पत्नी का नाम क्या था?** (ബുദ്ധിരാമിന്റെ ഭാര്യയുടെ പേരെന്തായിരുന്നു?)
उत्तर: रूपा (രൂപ)

5. **परिवार में काकी से कौन प्यार करती थी?** (കുടുംബത്തിൽ കാക്കിയെ ആരാണ് സ്നേഹിച്ചിരുന്നത്?)
उत्तर: लाड़ली (ലാഡ്‌ലി)

6. **लाड़ली कौन थी?** (ആരായിരുന്നു ലാഡ്‌ലി?)
उत्तर: बुद्धिराम की छोटी बेटी (ബുദ്ധിരാമിന്റെ ചെറിയ മകൾ)

7. **बूढ़ी काकी की एकमात्र इच्छा क्या थी?** (കാക്കിയുടെ ഏക ആഗ്രഹം എന്തായിരുന്നു?)
उत्तर: स्वादिष्ट भोजन करना (രുചികരമായ ഭക്ഷണം കഴിക്കുക)

8. **घर में किस चीज़ का उत्सव (दावत) था?** (വീട്ടിൽ എന്തിന്റെ ആഘോഷമായിരുന്നു നടന്നത്?)
उत्तर: तिलक का (തിലക് ആഘോഷം)

9. **काकी को मेहमानों के जूठन खाते हुए किसने देखा?** (അതിഥികളുടെ എച്ചിൽ ഇലയിൽ നിന്ന് കാക്കി ഭക്ഷണം കഴിക്കുന്നത് ആര് കണ്ടു?)
उत्तर: रूपा ने (രൂപ)
10. **कहानी के अंत में किसे अपनी गलती पर पछतावा हुआ?** (കഥയുടെ അവസാനം ആർക്കാണ് തന്റെ തെറ്റിൽ പശ്ചാത്താപം തോന്നിയത്?)
उत्तर: रूपा को (രൂപയ്ക്ക്)

1. **रूपा की डायरी** (जब रूपा ने काकी को जूठन खाते देखा, उस रात की डायरी)

15 मार्च 2026

शुक्रवार आज मुझे अपने आप पर बहुत शर्म आ रही है। मेरा दिल बहुत दुखी है। मैंने काकी के साथ बहुत खराब व्यवहार किया। जिस काकी ने हमें सब कुछ दिया, उन्हें आज भूखा रहना पड़ा। जब मैंने उन्हें झूठी पत्तलों से खाना खाते देखा, तो मैं बहुत डर गई। हे भगवान! मुझे माफ कर देना। अब से मैं काकी का बहुत ध्यान रखूँगी और उन्हें बहुत प्यार दूँगी।

2. रूपा और लाड़ली के बीच संवाद

रूपा : लाड़ली, तुम इतनी रात को यहाँ क्या कर रही हो?

लाड़ली : माँ, मैं काकी को अपनी खाना खिला रही हूँ, वे बहुत भूखी थीं।

रूपा : क्या तुमने अपना खाना काकी को दे दिया?

लाड़ली : हाँ माँ, मेहमानों के बीच किसी ने काकी को खाना नहीं दिया।

रूपा : मेरी बच्ची, आज तुमने मेरी आँख खोल दी। मुझसे बहुत बड़ी गलती हुई।

लाड़ली : कोई बात नहीं माँ, अब आप काकी को और खाना दे दीजिए।

रूपा : हाँ बेटा, अब मैं खुद उन्हें खाना खिलाऊँगी और माफी माँगूँगी।

लाड़ली : ठीक है माँ, अब आप दुखी मत होइए। चलिए, काकी के पास चलते हैं।

3.संवाद : बुद्धिराम और रूपा

रूपा : सुनिए, आज हमसे बहुत बड़ी गलती हुई। हम काकी को खाना देना भूल गए।

बुद्धिराम : उत्सव में बहुत काम था, वे बाद में भी खा सकती थीं।

रूपा : नहीं, वे भूख के कारण मेहमानों की झूठी पत्तलों से खाना खा रही थीं।

बुद्धिराम : (चौंककर) क्या? यह तो बहुत शर्म की बात है।

रूपा : हमने उनके साथ बहुत बुरा किया।

बुद्धिराम : तुम सही कह रही हो। बुजुर्गों का आशीर्वाद बहुत ज़रूरी है।

रूपा : अब मैं उनके लिए ताज़ा खाना लाती हूँ।

बुद्धिराम : ठीक है, मैं भी काकी से माफी माँगूँगा और उनका सम्मान करूँगा।

4. **चरित्र चित्रण - बूढ़ी काकी**

बूढ़ी काकी

बूढ़ी काकी मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'बूढ़ी काकी ' की मुख्य पात्र हैं। वे बहुत वृद्ध और असहाय हैं। उनकी सभी इंद्रियाँ केवल स्वाद की इंद्रिय में सिमट गई हैं। वे सरल स्वभाव की हैं और अपने भतीजे पर विश्वास करके अपनी सारी संपत्ति उसे दे देती हैं। उन्हें परिवार में उपेक्षा और तिरस्कार मिलता है, लेकिन उनका मन बच्चों जैसा है। वे केवल थोड़ा सा प्यार और भरपेट भोजन चाहती हैं।

5. **पोस्टर : बुजुर्गों का सम्मान: हमारा कर्तव्य**